जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. मुमताज अहमद खान* क्रमांक 31
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी दिनांक 02.03.2022

छात्र राष्ट्रधर्म का अनुपालन करें – कुलपति डॉ. बिसेन

''छात्रों का सर्वांगीण विकास'' विषय पर जनेकृविवि में 21 दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आगाज

जबलपुर 02 मार्च। ''छात्रों का सर्वांगीण विकास'' विषय पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि राष्ट्रधर्म का अनुपालन करें। राष्ट्र और समाज को सदैव देने का भाव रखें। जीवन में आत्मबल और आत्म विश्वास ऊंचा रखे। भारतीय संस्कृति में सन्नित त्याग, नैतिकता और ठोस चरित्र को जीवन में उतारें और सदा सकारात्मक रहें, तो पूरी कयानत आपके कदम चूमकर अपार सफलताओं के द्वार खोल देगी।

आयोजन के मुख्यवक्ता, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् अवार्डी अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने व्याख्यान में कहा काबिल होने के लिये शिक्षक से ज्ञान को छीनना होगा। ये फीस देने वाले छात्र का हक है। शिक्षक से सवाल जवाब जरूर करे, जब तक समझ ना आये बार–बार पूछें। शिक्षक के ज्ञान का पूर्ण लाभ लें। छात्रों की निष्क्रियता एक विद्वान शिक्षक को भी निष्क्रिय कर देती है। आज का छात्र क्षमतावान है लेकिन फोकस नहीं करता। उन्होंने शिक्षा की परीक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुये परीक्षा प्रणाली को खत्म करने का सुझाव दिया। कहा शिक्षा सिर्फ परीक्षा से जुड़ गई है और पास होना ही लक्ष्य बन गया है। यह छात्रों के सर्वांगीण विकास में बाधक है।

मुख्य आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा ने बताया कि शिक्षा के साथ छात्रों को दीक्षित करने और उनके सर्वांगीण विकास के लिये यह 21 दिनी आयोजन रखा गया है। इसमें हर दिन राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के विविध क्षेत्रों के विद्धतजन व्याख्यान के साथ छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे। कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने इस आयोजन खासकर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा की भूरि–भूरि प्रंशासा करते हुये कहा कि विवि के इतिहास में ऐसा आयोजन इनते बड़े लेबल पर पहली बार हो रहा है।

इस मौके पर कृषि एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर के छात्र–छात्राओं से विवेकानन्द सभागार ठसाठस भरा था। जबकि जनेकृविवि से संबंद्ध अन्य कृषि महाविद्यालय, रीवा, टीकमगढ़, गंजबसौदा, वारासिवनी (बालाघाट), पवारखेड़ा (होशंगाबाद), रहली (सागर) एवं खुरई (सागर) के सैकड़ों छात्र–छात्रायें ऑनलाईन जुड़े। इस दौरान कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, नाहेप प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. आर.के. नेमा आदि मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आर. के. नेमा ने किया।

–000–